ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं अपने मूल संस्कारों के परिवर्तन द्वारा विश्व परिवर्तन करने वाली उदाहरण
स्वरूप आत्मा हूँ

Relationship Management

गलत राह पर चलने वाले व्यक्ति के बारे में परेशान होने से उसे हमसे नकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है जो उसे और कमजोर बनाती जाती है। इसलिए, बेहतर है कि हम यह संकल्प करें कि वह व्यक्ति बहुत अच्छा है। बार-बार यह संकल्प करने से उस व्यक्ति को हमसे सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है और उसमें परिवर्तन आना शुरू हो जाता है।

वह व्यक्ति जिसने हमारे साथ कभी बुरा किया था या बुरा कर रहा है, हम उससे मन ही मन माफी मांगे तो उस व्यक्ति में परिवर्तन अवश्य आता है। हम यह ना सोचे कि हम ठीक हैं और वह व्यक्ति गलत है तो हमें उससे क्यों माफी मांगनी चाहिए क्योंकि कभी ना कभी हमने उसके साथ अवश्य बुरा किया था जो हमें स्मरण नहीं किंतु कर्मों का हिसाब-किताब तो चुकाना ही पड़ता है।

Om Shanti

अपना और दूसरों का ज्ञान श्रृंगार करना है।
कभी भी देह-अभिमानी बन साकार शरीर में
न फँसना है, न किसी को फँसाना है।

ड्रिल - चारों ओर लाइट-माइट का सकाश दो

बापदादा- 02.02.2004

अभी रूहानी ड्रिल याद है? एक सेकण्ड में अपने पूर्वज स्टेज में आए परमधाम निवासी बाप के साथ-साथ लाइट हाउस बन विश्व को लाइट दे सकते हो? तो एक सेकण्ड में सभी चारों ओर देश-विदेश में सुनने वाले, देखने वाले लाइट हाउस बन विश्व के चारों ओर सर्व आत्माओं को लाइट दो, सकाश दो, शक्तियां दो। अच्छा।

AVYAKT MURLI REVISION!

07-05-2023 प्रात:मुरली रिवाइज - 26.11.94

"परमात्म पालना और परिवर्तन शक्ति का प्रत्यक्ष स्वरूप - सहजयोगी जीवन"

ब्राह्मण जीवन में जो परीक्षायें आती हैं उसमें परिवर्तन करने की शक्ति आवश्यक होती है। जब व्यर्थ संकल्प चलते हैं तो समझते भी हो कि ये व्यर्थ हैं। लेकिन व्यर्थ संकल्पों का बहाव इतना तेज़ होता है जो अपने तरफ खींचता जाता है। जैसे नदी का वा सागर का बहुत फोर्स होता है तो कितना भी अपने को रोकने की कोशिश करते हैं लेकिन फिर भी बहते जाते हैं। समझते भी हो, सोचते भी हो कि ये ठीक नहीं है, इससे नुकसान है फिर भी बहाव में बह जाते हो इसका कारण क्या? परिवर्तन शक्ति की कमी। पहला विशेष परिवर्तन है स्वरूप का परिवर्तन। मैं शरीर नहीं, लेकिन आत्मा हूँ, यह स्वरूप का परिवर्तन है। यह आदि परिवर्तन है। इसमें भी चेक करो तो जब देहभान का फोर्स होता है तो आत्म अभिमान के स्वरूप में टिक सकते हो या बह जाते हो? अगर सेकेण्ड में परिवर्तन शक्ति काम में आ जाये तो समय, संकल्प कितने बच जाते हैं। वेस्ट से बेस्ट में जमा हो जाते हैं।

Achanak Aur Eveready

परमपिता परमात्मा शिव

अव्यक्त शिक्षाएँ

जिस समय भी कोई कमजोरी वर्णन करते हो, चाहे संकल्प की, बोल की, चाहे संस्कार स्वभाव की, तो शब्द क्या कहते हो? मेरा विचार ऐसा कहता है। वा मेरा संस्कार ही ऐसा है। लेकिन जो बाप का संस्कार, संकल्प सो मेरा संस्कार, संकल्प। जब बाप जैसा संकल्प, संस्कार हो जाता है तो ऐसे बोल कब नहीं बोलेंगे कि क्या करूँ, मेरा स्वभाव संस्कार ऐसा है। क्या करूँ, यह शब्द ही कमजोरी का है। समर्थ की निशानी है- सदा बाप समान संकल्प, बोल, कर्म, स्वभाव, संस्कार हो । बाप के अलग, मेरे अलग यह हो नहीं सकता। उनके संकल्प में, बोल में, हर बात में बाबा, बाबा शब्द नैचुरल होगा। और कर्म करते करावनहार करा रहा है- यह अनुभव होगा। जब सब में बाबा आ गया तो बाप के आगे माया आ नहीं सकती। या बाप होगा या माया।

अ.बापदादा-11.01.83

इस भोजन को ही कहा जाता है - दु:ख भंजन भोजन। याद का भोजन सब दु:ख दूर कर देता है। क्योंकि शुद्ध अन्न से मन और तन दोनों शुद्ध हो जाता हैं। याद में बनाया हुआ और याद में स्वीकार करने वाला अन्न दवाई का भी काम करता और दुवा का भी काम करता।

Avyakt Murli - 16-02-88

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org